राष्ट्रीय कुष्ठ रोग उन्मूलन कार्यक्रम

वर्ष 1873 में नार्वे के वैज्ञानिक सर आरमर हेन्सन ने माइक्रोवैक्टी लैप्री बैसीलाईज की खोज की। यह बैसीलाईज आर्मडिल्लो के फुट पैड में करोड़ों की संख्या में पाये जाते है।

भारत सरकार द्वारा देश में राष्ट्रीय कुष्ठ रोग नियन्त्रण कार्यक्रम वर्ष 1955 में लागू किया गया, तथा राजस्थान में यह कार्यक्रम वर्ष 1970–71 में शुरू किया गया, जिसे वर्ष 1983 में "राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम" नाम दिया गया। वर्ष 1982 में मल्टी ड्रग थेरेपी (एमडीटी) औषधी उपयोग में लायी गयी।

यह कार्यक्रम भारत सरकार द्वारा Target Free कार्यक्रम है। परन्तु राज्य में कार्यक्रम के मूल्यांकन व कुष्ठ रोगियों की त्वरित खोज हेतु जिलो को लक्ष्य आवंटित किये जाते है।

कार्यक्रम के उद्देश्य :–

1. कुष्ठ रोग का प्राथमिक अवस्था में पहचान कर शीघ्र पूर्ण उपचार करना।
2. संक्रामक रोगियों का शीघ्र उपचार कर संक्रमण की रोकथाम।
3. नियमित उपचार द्वारा विकलांगता से बचाव।
4. विकृतियों का उपचार कर रोगियों को समाज का उपयोगी सदस्य बनाना।
5. स्वास्थ्य शिक्षा द्वारा समाज में इस रोग के सम्बन्ध में फैली गलत भ्रान्तियों को दूर करना।

राज्य मे वर्तमान में (फरवरी 2018) 1242 रोगी उपचार प्राप्त कर रहे है एवं राज्य की कुष्ठ रोग प्रसार दर 0.16 प्रति दस हजार जनसंख्या है। जबकि कुष्ठ रोग की राष्ट्रीय प्रसार दर 0.66 प्रति दस हजार जनसंख्या है।

राज्य में यह कार्यक्रम भारत सरकार एवं राज्य सरकार के सहयोग से चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत निम्नलिखित इकाईयॉ कार्यरत है :–

क. सं.	कुष्ठ नियन्त्रण ईकाई का नाम	संख्या	जिला/ निदेशालय
1	राज्य कुष्ठ रोग अधिकारी	1	निदेशालय
2	जिला कुष्ठ रोग अधिकारी	4	1. नागौर, 2. जोधपुर, 3. जयपुर, 4. बारां
3	कुष्ठ रोग चिकित्सालय	2	1. जयपुर, 2. जोधपुर
4	कुष्ठ रोग नियन्त्रण ईकाईयॉ	6	1. भरतपुर, 2. बून्दी, 3. झालावाड़, 4. कोटा, 5. उदयपुर, 6. श्री गंगानगर

राज्य में कुष्ठ रोग की रोकथाम हेतु निम्नांकित उपाय किये जा रहे है :–

वर्ष 2000 तक यह कार्यक्रम वर्टिकल स्टाफ के द्वारा चलाया जाता था, परन्तु अब कार्यकर्ताओं की कमी एवं भारत सरकार के निर्देशानुसार इस कार्यक्रम को प्राइमरी हैल्थ केयर सिस्टम के तहत अन्य स्वास्थ्य कार्यक्रमों के साथ इंटिग्रेट करते हुये वर्ष 2001 से होरिजेन्टल स्वरूप प्रदान किया गया, जिसके तहत राज्य के सभी प्राइमरी हैल्थ सेन्टर/सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र व अन्य चिकित्सा संस्थानों में कार्यरत सभी चिकित्सा अधिकारियों, पैरा मेडिकल एवं मेडिकल स्टाफ को उक्त कार्यक्रम की बेसिक ट्रेनिंग/ओरियंटेशन ट्रेनिंग देकर कार्यक्रम को अधिक गति देने हेतु तैयार कर दिया गया है, तथा सभी चिकित्सा संस्थानों पर निशुल्क औषधी उपलब्धता सुनिश्चित की गई है।

मुख्य गतिविधियॉ

1. कुष्ठ रोगियों की प्रारम्भिक अवस्था में खोज हेतु आशा सहयोगनियों को कुष्ठ रोग उन्मूलन कार्यक्रम में जोड़ा गया है, इन्हे रोग संबंधी प्रशिक्षण दिया जा कर कुष्ठ रोगी की खोज एवं उपचार दिलवाये जाने पर निम्नानुसर मानदेय दिये जाने का प्रावधान है।

(अ) नये कुष्ठ रोगी के रूप में जॉच कन्फर्म होने बाद रजिस्ट्रेशन पर देय मानदेय (आशा सहयोगनी /ऑगनवाडी कार्यकर्त्ता/ वोलियन्टर एवं अन्य किसी भी व्यक्ति)

I. दृश्य विकृति से पूर्व नये कुष्ठ रोगी की पहचान होने पर – **250/– रूपये**

II. हाथ, पैर व ऑख में दृश्य विकृति पश्चात नये कुष्ठ रोगी की पहचान होने पर – **200/–** रूपये

(ब) पूर्ण उपचार पश्चात देय मानदेय (केवल आशा सहयोगनियों को)

I. पी.बी. केसेज के लिए – **400/– रूपये**

II. एम.बी. केसेज के लिए – **600/– रूपये**

2. विकलांगता की रोकथाम एवं चिकित्सा पुनर्वास गतिविधि (Disability Prevention and Medical Rehabilitation) के तहत कुष्ठ रोग से विकृती/ विकलांगता होने पर रि–कन्सट्रेक्टिव सर्जरी करवाये जाने हेतु सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज, जयपुर को भारत सरकार द्वारा सर्जरी केन्द्र अधिकृत किया गया है। इसके लिए रि–कन्सट्रेक्टिव करवाने वाले कुष्ठ रोगी 8000/– रूपये एवं रि–कन्सट्रेक्टिव सर्जरी करने वाले चिकित्सा संस्थान को 5000/– रूपये की प्रोत्साहन राशि का प्रावधान किया गया है।
3. वित्तीय वर्ष 2017–18 में 25 विकृति वाले कुष्ठ रोगियों की रि–कन्ट्रेक्टिव सर्जरी की गयी। कुष्ठ रोगियों को निशुल्क मल्टी ड्रग थेरेपी (एम.डी.टी.) औषधी, सहायक औषधियॉ (वेसलीन, गॉज, बेन्डेज, ऑइन्टमेन्ट, पेन किलर, एन्टीवाइटिक, एन्टी रिएक्सनरी आदि) तथा डी.पी.एम.आर– गोगल्स, एम.सी.आर. चप्पल, केचेज, वॉकिंग स्टीक आदि निशुल्क उपलब्ध करवायी जाती है।
4. समाज में कुष्ठ रोग संबंधी फैली गलत धारणाओं को दूर करने हेतु राज्य सरकार द्वारा विभिन्न प्रचार–प्रसार गतिविधियॉ संपादित की जाती है, जैसे – नुक्कड नाटक, नारा लेखन, फ्लेक्स बेनर, बस टिकिटों के पीछे कुष्ठ रोग सम्बन्धी जानकारी, पम्पलेट, टी.वी. स्पॉट, होर्डिग, वाद विवाद प्रतियोगिता एवं आई.पी.सी. वर्कशॉप आदि करवायी गयी।
5. चिकित्सा अधिकारी, पैरा मेडिकल स्टाफ एवं आशा सहयोगनियों को कुष्ठ रोग सम्बन्धी प्रशिक्षण।
6. सभी जिलों में जिला न्यूक्लियस का गठन किया गया, जिसके अन्तर्गत जिला कुष्ठ रोग अधिकारी/उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (स्वा0) को नोडल अधिकारी, एक चिकित्सा अधिकारी, एवं दो पैरा मेडिकल वर्कर (एक पुरूष व एक महिला) को मनोनीत किया गया। जिला न्यूक्लियस टीम को कुष्ठ रोग संबंधी प्रशिक्षण देकर कार्यक्रम में उनकी कार्य सम्बन्धी जिम्मेदारी सुनिश्चित कर दी गयी है।
7. सभी चिकित्सा संस्थानों में प्रत्येक माह के अन्तिम बुधवार को कुष्ठ रोग कार्य दिवस के रूप में मनाते हुए कुष्ठ रोग सम्बन्धी गतिविधियॉ सम्पादित करने का निर्णय लिया गया।

प्रगति रिपोर्ट

1. भौतिक प्रगति

वर्ष	नये खोजे गये कुष्ठ रोगी			उपचार उपरान्त रोग मुक्त किये गये रोगी			प्रसार दर प्रति 10000 जनसंख्या	
	लक्ष्य	प्राप्ति	%प्राप्ति	लक्ष्य	प्राप्ति	%प्राप्ति	राज्य	राष्ट्रीय
2012-13	1100	1087	98.82	1055	980	92.89	0.17	0.73
2013-14	1150	1079	93.83	1173	1036	88.32	0.17	0.73
2014-15	1160	1060	91.38	1215	1128	92.84	0.16	0.68
2015-16	1100	1106	100.55	1147	1057	92.15	0.16	0.69
2016-17	1100	1042	94.73	1196	1124	93.98	0.15	0.69
2017-18 Feb, 18	1100	886	80.55	1114	758	68.04	0.16	0.66

2. वित्तीय प्रगति (प्रोविजनल)

(राशि लाखो में)

वर्ष	स्वीकृत कार्ययोजना	भारत सरकार से प्राप्त राशि	व्यय
2016-17	243.19	185.52	92.13
2017-18 Jan 18	Total PIP - 240.13 New HR – (-67.20) **Total – 172.93**	Unspent – 96.53 Lac Fund Rec – 27.69 Lac Loan – 36.50 Lac **Total 160.72 Lac**	112.07 **64.80 %**

3. प्रशिक्षण

क्रम सं.	प्रशिक्षणार्थियों की केटेगिरी	वर्ष 2014–15 तक	वर्ष 2015–16	वर्ष 2016–17	वर्ष 2017–18
1	चिकित्सा अधिकारी	1807	780	798	220
2	स्वास्थ्य कार्यकर्ता / सुपरवाईजर	3301	1025	1610	—
3	आशा सहयोगनी	4238	10710	11660	9960

4. रि–कन्स्ट्रेक्टिव सर्जरी

- वर्ष 2014–15 तक – 10
- वर्ष 2015–16 में – 22
- वर्ष 2017–18 में – 26

5. कार्यक्रम में आशा सहयोगनियों की भागीदारी

क्रम सं.	वर्ष	रजिस्ट्रेशन	पूर्ण उपचारित रोगी		भुगतान किया गया आशा मानदेय
			पीबी	एमबी	
1	2014–15 से 2016–17	98	45	58	77300
2	2017–18 फरवरी 18	19	13	4	12100

6- **एन्टी लेप्रोसी पखवाडा (प्रत्येक वर्ष दिनांक 30 जनवरी से 13 फरवरी) :–** कुष्ठ दिवस पर "30 जनवरी, 2018 स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान, 2018" चलाया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत राज्य जिला कलेक्टरों द्वारा जनता के नाम संदेश, ग्राम सभाये, स्कूल क्वीज, बेनर, पोस्टर, पम्पलेट, इत्यादि प्रचार प्रसार गतिविधियॉ सम्पादित की गयी एवं दिनांक 31 जनवरी से 13 फरवरी के दौरान सभी ब्लॉक स्तर पर प्रचार प्रसार एवं सर्वे कार्य करवाया जाता है।